



जापान में दो दिन में हुए 90 हजार करोड़ के MoU
▶ देखें अंदर

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी ने विक्रय देने के लिए 19001200474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें। [य subscribe.timesofindia.com](http://subscribe.timesofindia.com) पर जाएं।

FTA, तकनीक ट्रांसफर और AI, इस्त्राइल में चलेगा UPI
▶ देखें अंदर



SAMSUNG

Galaxy S26 Ultra Galaxy AI



samsung.com

Pre-order now

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 180057267864 for information on e-waste/plastic waste. Image simulated. Samsung account login may be required for certain AI features. Actual UX/UI may differ. Samsung promotes responsible use of Artificial Intelligence (AI) features.

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रकाशित) | शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

राष्ट्र के न तो स्थायी मित्र होते हैं, न स्थायी शत्रु, केवल स्थायी हित होते हैं। - हेनरी किस्सिंजर, अमेरिकी कूटनीतिज्ञ

नई शुरुआत

भारत और कनाडा के रिश्ते पर हालिया बरतों में जमी कर्फ अब पिछल रही है। पीएम मोदी का नई यात्रा को इस नजरिये से देखा जाना चाहिए कि बदले वैश्विक हालात में कनाडा को भारत की अग्रिमिका समझ आने लगी है। आज से शुरू हो रहा यह दौर द्विपक्षीय रिश्ते के लिए भी नई शुरुआत हो सकता है।

दूतों से अलग। पिछले साल मार्च में पद संभालने के बाद से कर्ना ने नई दिल्ली के साथ संबंधों को लेकर संतुलित रुख दिखाया है। उनका रवैया पूर्ववर्ती जटिल दूतों से बिल्कुल अलग रहा, जिन्होंने अत्यावासी धर्मनिरपेक्षता के प्रति नकार की हल्का सा आवाज भारतीय एजेंसियों पर लगाया था और जिसकी वजह से द्विपक्षीय रिश्ते बिल्कुल ही निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

CEPA पर बात। पिछले साल जून और फिर नवंबर में पीएम नरेंद्र मोदी और कर्ना की मुलाकातों से नुकसान की भरपाई शुरू हुई थी। दोनों देशों ने लंबे समय से लंबित व्यापार और निवेश समझौते CEPA पर बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई थी। इस मुलाकात में इस मुद्दे पर बात आगे बढ़ी। CEPA पर जहां देर तक बातें हो रही थीं, वहीं दोनों देशों ने 2030 तक 70 अरब डॉलर के वार्षिक व्यापार का लक्ष्य रखा है और समझौते से इतने मजद मिलेंगे।

नए मोर्चे। दोनों देश पिछले मुलाकातों और बैठकों के बाद नई शक्ति का नया जवाब दे रहे हैं। उनका पास नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का भी पैका हुआ। व्यापार, ऊर्जा, तकनीकी शिक्षा और फिर से बातचीत शुरू हो रही है। कनाडा से भारत को युनिफ़ॉम आपूर्ति बढ़ाने की भी बात हो रही है। भारत विकास देखा है कि किस तरह से कनाडा को कच्चे तेल और अन्य जल संपदा की खरीद बढ़ाई जा सकती है। साथ ही, पापुवा न्यू गिनी और टिमोर जैसे देश में निवेश पर विचार है।

मजबूत आधार। भारत और कनाडा के बीच 2024 में वस्तु व्यापार 13.3 अरब डॉलर था। इसमें से कनाडा ने 5.3 अरब डॉलर का निर्यात किया था। सर्विस ट्रेड भी तेजी से बढ़ा है। यह कनाडा है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की मजबूत जमीन मौजूद है और उनका फायदा दोनों का समय आ गया है।

सहयोग की जरूरत। दोनों देशों को अमेरिका की टैरिफ नीतियों के नुकसान उठाने पड़े हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद टैरिफ मुद्दे कम हो गए हैं, पर अतिरिक्त चढ़ गई है। कर्ना उन चढ़ नेत्रों में हैं, जिन्होंने ट्रेड की नीतियों के खिलाफ उठाया जैसे पांच पर जेबाने की हिम्मत की। वहीं, भारत ने भी विदेश नीति में किसी तरह के उदास को भनाने से इनकार किया। दोनों का आपस में सहयोग उठे और मजबूती देगा।

तिराहा

ऑर्डर-ऑर्डर

सुधर्मा नया कलानि संभल लई है। उस पर चर्चा के लिए सुखनंदन के पास पहुंचीं तो वह नया स्वरित की भीमानी में उल्टे थे। आठर सून मुझे तो प्रश्नवाचक दुष्ट मिली। 'कनाडा तो था कि नई नयाव सहित आर्डर है, तुलसी का अग्रश्रेष्ठ पिता आबादी की तजवीजी वाली। जो पहले 420 थे अब 318 हो गए हैं। इसलिए, पुराने को नर निरसे से समझना पड़ रहा है। सुखनंदन ने कहा,

'अरे बाह! तब तो नयाव की गति तेज प्रेम शंकर मिश्र होगी?' सुधर्मा के चेहरे पर उमड़ी चमकी। सुखनंदन मसकुराए, किन्तु वे किन्तु कर बोले, 'प्रिये! नयाव वह खगोलीय पिंड है जो शक्ति के रूप में चक्कम करता है। यह दशको, शताब्दियों में कुछ क्षण के लिए दिखता है, फिर लुप्त हो जाता है। इसलिए, चमत्कार को केवल नमस्कार करो, उस पर प्रश्न मत करो।'

'लेकिन, पर में नोट मिले तो प्रश्न तो उठेगे, भ्रष्टाचार पर चर्चा भी होगी, फुल-लिखा भी जाएगा?' सुधर्मा के स्वर में मुरसा था। 'फे-निच्छे लोगों के घर में नोट तो मिले ही रहे, यह तो उनके अर्थव्यवस्था का फल है। दूसरे, भ्रष्टाचार और पर में अंतर होता है। भ्रष्टाचार वह है जिसमें किसी का माल दबाया जाए, फेंत वह है जो माल दबाने वाला स्वेच्छ से दे देगा। फेंत की परंपरा तो पृथ्वी बंधे रहने से लेकर पृथ्वी खुले रहने तक निरंतर चली आ रही है और हमारे यहां परंपरा पर प्रश्न करने की परंपरा नहीं है', सुखनंदन ने समझाया। 'ले यह भ्रष्ट आचरण नहीं है?' सवाल जाते थे। 'भ्रष्ट वह है जो यह सिद्ध हो जाए कि वह भ्रष्ट है और सिद्ध होना परम अत्यन्त है। लाखों में किसी एक को यह सिद्ध प्राप्त होती है। इसलिए, सर्वसम्पत्ति से भ्रष्टाचार को फिटा दिया गया है', जवाब मिला।

'भ्रष्टाचार फिटा दिख गया है? कहां से, संस्था से?' सुधर्मा चौंकीं। सुखनंदन ने हंसते हुए जवाब दिया, 'कौन, किन्तु वे'। फिर पूछा, 'कैसे कहानी बौन-नी पड़ी?' 'प्राणाल की परदा।' जवाब आया ही था कि घड़ी का अलार्म 'ऑर्डर-ऑर्डर' बिल्लने लगा।

एकदा

संकलन • सुभाष चंद्र शर्मा

बर्लिन में विरोध

बालू तन दिनों के हैं, जब जर्मनी में फूड़ा एक एक युवा भारत की दस्तक से उठती था। वह बर्लिन के हम्बोल्ट विश्वविद्यालय में अग्रशिक्षक में परीक्षाएं कर रहा था, लेकिन उसका मन हमेशा उड़ित रहता। वह छात्र आगे चलकर समाजवादी आंदोलन का प्रखर नेता बन, डॉ. राम मनोहर लोहिया। उनके पिता हीराचंद चतुर्वेदी आंदोलन में सक्रिय थे और शेष के माध्यम से अंग्रेजी शासन के दमन और जनता की पीड़ा का वर्णन भेजते रहते। उन पत्रों ने लोहिया के भीतर प्रतिरोध की अग्नि और प्रज्वलित कर दी। इसी बीच विनोबा में लीग ऑफ नेशन का अधिवेशन हुआ, जिसका प्रतिनिधित्व बौनाकर के फहराव कर रहे थे। लोहिया ने जब पत्र से अंग्रेजी शासन की प्रशंसा सुनी, तो वह दुखी हो उठे और विरोध पत्र लिखा। उन्हें तत्काल सम्पादक से बाहर कर दिया गया। अगले दिन एक समाचारपत्र में उनका पत्र प्रकाशित हुआ, जिसमें उन्होंने अंग्रेजी अत्याचारों और भारत सिंह, सुभाष, रायबहा की फाँसी का उल्लेख कर विश्व सम्पुष्ट के सम्पने भारत की सहाई रखी।



नीतियों के कारण निशाने पर इस्राइली पीएम, संभलकर आगे बढ़े हिंदुस्तान नेतन्याहू को मजबूत न बनाए भारत

पीएम नरेंद्र मोदी के इस्राइल दौरे को दोनों देशों के आपसी रिश्ते की ही नजर से देखा जाना चाहिए, लेकिन पश्चिमी एशिया के हालात अभी जैसे हैं, उसमें ग्लोबल मॉडिब इसको कुछ अलग ही नजरिये से देखा जा रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह कि अमेरिका किसी भी क्षण इंगन पर हवाई हमलों की इजाजत नहीं देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में हफ्तों के संकेत दे चुके हैं और इंगन में मौजूद भारतीय नागरिकों को तत्काल वहां से निकल जाने की आधिकारिक सलाह भी दी जा चुकी है।



चंद्रमूला

तब आन भी 'टू स्टेट सोल्यूशन' का पक्षधर है। यह दुष्ट लेकर ही भारत संयुक्त राष्ट्र की सभी फलकतदम के साथ खड़ा है। ट्रंप की फल 'बेर्ड ऑफ पीस' में भागीदारी की उत्सुकतापूर्ण भागीदारी है, लेकिन भारत इसमें शामिल नहीं है।

हालात अलग। अंशों के समय में भारतीय प्रशासकों का इस्राइल दौरा भारत जैसी श्रेणीय मंडलभक्ति की कुछ अंतर्निहित भी छवि प्रस्तुत करता है। सन 2017 में भारतीय प्रशासकों जब इस्राइल गए थे, तब बात अलग थी। वह सन 1992 में इस्राइल के



साथ कूटनीतिक संबंधों की बहाली से शुरू हुई प्रक्रिया का हिस्सा था। लेकिन चीन अभी आगे आ चुकी है।

गहरता रिश्ता। इस छोटे-से फूक के बाद पिछले पांच वर्षों में भारत ने 20 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार किया है। पूरी दुनिया में इस्राइली हथियारों की बिक्री का 34% हिस्सा अकेले भारत ने खरीदा है। इन व्यापारिक रिश्ते के दापने अभी खुलने शुरू हो रही है, लेकिन आसका है कि पीएम मोदी का यह दौर निवेश, व्यापार व तकनीकी सहयोग से ज्यादा कहीं विवर्धित नेत्र बेजापन नेतन्याहू के हाथ मजबूत करने को तरह न देखा जाए।

मोदी का इस्राइल दौरा

- अतिरिची छवि दिखानी है भारतीय पीएम की यात्रा
- फलरतीनी नागरिकों की दुर्दशा पर भी होनी चाहिए बात
- इंगन से पहले जैसा रिश्ता बनाए रखने में अब मुश्किल

AI से रोजगार को लेकर डराने वाली बातें फ़िज़ूल

क्या आने वाले समय में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) पेशेवर नीकरियों को करने लगेगा? अभी यह बात थोड़ी असंभव-सी लगती है, लेकिन आज एशिया सच हो जाए तो? हो सकता है कि तब आने के अगले आज जैसे ही हॉरिजन खोल न रह जाएं।

ख़ास से चेतावनी। अमेरिका की एक प्रहरी-संरक्षण रिसर्च कंपनी Citirini ने अपने ब्रॉड में निवेशकों को चेतावनी दी है। The 2028 Global Intelligence Crisis फ़ैरट में कहा गया है कि अगर AI एजेंट्स पेशेवर नीकरियों करने लगे, तो वहाँ आर्थिक समरथ्य ख़ूबी हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, नीकरियों ख़त्म होने से लोग लेन नहीं चुक पाएंगे, 2027 के अंत तक मॉकैट क्रेडिट हो सकता है और अमेरिकी वैश्विक डेफ़िस S&P की रेटिंग 57% तक गिर सकती है। 2028 तक अमेरिका में बेरोजगारी 4.3% से बढ़कर 10% तक पहुंचने की आसंका जताई गई है। रिचार्ज फॉर्म का कहना है कि यह केवल एक संभावित स्थिति है, लेकिन AI से जुड़ी हाल की ख़बरों को देखते हुए इसे पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

ख़तरों की चर्चा। पहलोंने पर फले खतर आर्डे कि AI अब कानूनी दस्तावेजों की जांच कर सकता है। अब यह पुराने कोडेल सिस्टम अपडेट करने में भी सक्षम है। लेखक, अनुवादक और कल्लेकार फले ही ख़तियत हैं। डेटा विश्लेषण और कंपैरी फलनवने में इसकी ताकत दिख चुकी है, इसलिए पेशेवर नीकरियों पर खतर की चर्चा तेज हो गई है।

दस्ता पर सवाल। क्या सब में AI पेशेवर नीकरियों पूरी तरह समाप्त लेगा? शकल अभी नहीं। AI एजेंट्स धमकते धमकते में अभी दस्त रतार भी नहीं पहुंचे हैं। कल्पितें बढ़े दावे करती हैं तकि

कॉमन रूम



निवेशक पैने लगाने हैं, लेकिन अरली दुनिया कहीं ख़बदा चटल है। एंजेलिक के कोलेज पर किए गए दावे के बाद IEM ने कहा कि कोड रीडिंग और प्रोग्रामिंग का आधुनिकीकरण अत्या-अलग बातें हैं। AI टूल नए प्रिनाशरली प्रेजुएरेंस जैसे हैं तिनके पास ज्ञान है, पर अनुभव नहीं। एक अध्ययन में भी पाया गया कि अगर निगरानी न हो तो AI

एजेंट्स बार-बार गड़बड़ी करते हैं।

बड़ेगा जोधिम। अमेरिका में रिचर्ज 10% तक ख़बदाना 2.5 ख़बड डॉलर से ख़बड कमानी है, लेकिन ख़बड ख़च वं आया हिस्सा वही करते हैं। अगर वे वाइट-कॉलर कर्मचारों से वेकनार हो जायें, तो मांग घटेगी, लेन डिफ़रेंट बड़ेगे और वित्तीय रिस्टम डगमगा सकता है। कल्पितें का मुनाष और ख़बदा गिरो, अगली पर भी अरर परेगा। उदाहरण देया तो मजदूर भी फ़ाविली हैं। Citirini के अनुसार, कुछ बड़ी AI फर्म पूरी अर्थव्यवस्था निश्चिंत कर सकती हैं, जो जोधिम पर है। लेकिन क्या कबई फल होने वाला है? यह बात ख़बदी है कि AI की वजह से कई काम करने के लिए अंशों की तुलना में कम लोगों की जरूरत पड़ेगी, लेकिन यह भी सच है कि इतना के बगर काम नहीं चलने वाला।

काटे की बात

सरकार या शिक्षा मंत्रालय की ओर से जुड़िष्ठा की अपमान करने की मंशा नहीं थी। NCERT किताब-जुड़िष्ठा विवाह में अदलत ने जो भी निर्देश दिए हैं, उनका पूरी तरह पालन किया जाएगा और जिम्मेदारी लय कर संशोधन पर कार्यवाई होगी।



धर्मद प्रधान, केडिरी दिशा मंत्री

'धमाका' कर समय बताती है फ़ौजिया

राजस्थान के अजमेर की फ़ौजिया खान रमजान के महीने में लेहरी और इफ़्तार के जवत दौर दावती है। यह पूरा 16वीं शताब्दी में मुगल वादशाह अकबर ने शुरू की थी। दाव है कि फ़ौजिया के परिकर के फस पीयियों से यह काम है।

इकलैती महिला तोपची

सावरी तक पड़ी फ़ौजिया अमनी में और भाई-बहनो के साथ रहती है। छोटी दुकान घुलानार परिवार का भरन-पोषण करती है। तोप चलाने के लिए दरगाह सभित से हर महीने 1,500 रुपये मिलते हैं। उन्होंने पिता के साथ 8 साल की उम्र में तोप चलाना शुरू किया था। 2008 में पिता का निधन हुआ, तो अकेले यह काम करने लगीं। ईद बकरीद, जुम्मा पर भी तोप चलती हैं।



भतीजी को जिम्मेदारी

कुछ साल पहले तोप चलाने के दौरान वादर फलने से 37 साल की फ़ौजिया के कान के पई पर अरर पड़ा और उन्ने सुनने में दिक्कत होने लगी। इसके बाद भी उनका होराला ही होगा। उनको लिए तोप चलाना सचि नहीं, बल्कि कलंय है। अब वह अपनी भतीजी को तोप चलाना सिखा रही हैं। प्रस्तुति: अमिके मिश्र

शहरों को ग्रोथ का इंजन बनाने में मददगार होगा UCF

भारत में शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में शहरों का योगदान है। शहर अब वेगनार उद्योग और विकास के मुख्य केंद्र बन चुके हैं और लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। फार, बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन का खतरा, पैसों की कमी और प्रशासनिक तत्त्वमें में दिक्कतें जैसी कई समस्याओं से भी जुड़ रहे हैं। कुलीनी भारत के शहरों को लेकर नहीं है, बल्कि सही और टिकाऊ ढंग से और सगो को रख लेकर विकास करने की है।

एक सिरे से विकास

हाल ही में स्वीकृत शहरी कुलीनी कोष (UCF) से पत्र चलन है कि भारत अब शहरी विकास को नए सिरे से आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अर्थनियमक सारियों को नए इन्फ़रस्ट्रक्चर और उद्योग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स कस्टर को बढ़ावा दिया जाएगा। दूसरा, शहर शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके लिए वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक केंद्र सरकार 1 लाख करोड़ रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष भारत अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि जेस और प्रभाव नीतियों के लिए है। UCF पुराने तरीकों से अलग है। इसमें केंद्र सरकार प्रोबेन्ट कर का 25% ही देगी। शहरों को कम से कम 50% खाम बांड, लेन व पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) के जरिये जुटानी होगी। शेष उशि राज्य, स्थानीय निरक्य व अन्य सार्यों से जुटाई जा सकती है। इससे शहरों को अधिक आशासन अपनाया होगा। नौचन, क्षेत्र विकास और प्रभाव नीतियों के लिए सारकारी बजट पर निर्भर होगा। UCF तीन क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के बदलते शहरी परिदृश्य को दर्शाते हैं। पहला, शहरों को विकास इंजन के तौर पर देखा जा। इसके तहत एकीकृत योजना, अ

फटाफट खबरें

'बताना होगा रजिस्ट्रेशन नंबर'

NBT रिपोर्ट: मुंबई: सेबी के दायरे में आने वाली सभी सरखओ और उनके एजेंटों को रोजगार मीडिया पर शोर बाजार से जुड़ी जानकारी को रजिस्ट्रेशन नंबर समझा रहे हैं। नए रजिस्ट्रेशन नंबर दिखाने होंगे। यह नए नियम 1 मार्च से लागू होंगे।

SBI MF को RBI से मिली मजूरी

NBT रिपोर्ट: मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने SBI MF के उस प्रस्ताव को मजूरी दे दी है। इससे SBI MF को 9.99% तक लाइसेंस खोलने की इजाजत मिलेगी।

'बढ़ सकती है ग्रीन स्टील की मांग'

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: कर्नाटक सरकार और इंडियन इस्टील (CISIL) ने ग्रीन स्टील की मांग बढ़ेगी और उसकी कीमतें बढ़ेंगी।

सेबी लाया 'लाइफ साइकल फंड' बाजार नियामक ने म्यूचुअल फंड नियमों में किया बड़ा बदलाव



क्या है लाइफ साइकल फंड्स?

सेबी ने म्यूचुअल फंड की एक नई कैटेगरी 'लाइफ साइकल फंड' की शुरुआत की है। यह फंड लंबे समय तक चलने वाले निवेशकों के लिए है।

इडेक्स, ETF में क्या बदला?

इडेक्स और ETF में क्या बदलाव आया है? सेबी ने इन निवेश विकल्पों में बदलाव किया है।

अहम बातें

- स्वीमिंग के नाम में मुकदमा का दावा करने वाले बंद रहे।
रजिस्ट्रेशन नंबर दिखाने होंगे।
लाइफ साइकल फंड्स की शुरुआत।
इडेक्स और ETF में बदलाव।

सिम कार्ड बिना WhatsApp नहीं चलेगा, 1 मार्च से नियम लागू होंगे



NBT रिपोर्ट: संघर्ष मंत्री जयप्रकाश प्रसाद ने कहा कि सिम कार्ड बिना WhatsApp नहीं चलेगा।

कंटेनर क्रिएटर्स को भी हिस्सा दें डिजिटल प्लेटफॉर्म: वैष्णव



NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल मामलों के मंत्री जयप्रकाश प्रसाद ने कहा कि कंटेनर क्रिएटर्स को भी हिस्सा दें।

अनिल अंबानी, RCOM पर CBI ने नया केस दर्ज किया

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: अनिल अंबानी के खिलाफ RCOM पर नया केस दर्ज किया गया है।

भारत आए US के मंत्री, ट्रेड पर गोयल से चर्चा

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: अमेरिकी वाणिज्य मंत्री रोबर्ट लाइचेंबेर्ग भारत आए हैं।

संसेक्स 27 अंक गिरा, सोना-चांदी हुए सस्ते

NBT रिपोर्ट: मुंबई: गुरुवार को संसेक्स 27 अंक गिरा और सोना-चांदी सस्ते हुए।

फटाफट खबरें

बीजापुर में दो नक्सली डेर

NBT रिपोर्ट: बीजापुर: दो नक्सली डेर हुए।

फाल्कन समूह के पूर्व COO अरेस्ट

NBT रिपोर्ट: लखनऊ: फाल्कन समूह के पूर्व COO अरेस्ट हुए।

गोवा क्लब अनिकांड में चार्जशीट दाखिल

NBT रिपोर्ट: गोवा: अनिकांड में चार्जशीट दाखिल की गई।

'द केरल स्टोरी-2' की रिलीज पर रोक

NBT रिपोर्ट: कोच्चि: 'द केरल स्टोरी-2' की रिलीज पर रोक लगाया गया।

मानहानि केस में संजय राउत बरी

NBT रिपोर्ट: मुंबई: मानहानि केस में संजय राउत बरी हुए।

पूरे देश में ग्रेड आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लाने की तैयारी

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: पूरे देश में ग्रेड आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लाने की तैयारी शुरू की गई।

पीड़ितों को आरोपपत्र की कॉपी दे CBI, SIT : SC

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: पीड़ितों को आरोपपत्र की कॉपी दे CBI, SIT : SC ने कहा।

चुनावी खर्च के मुद्दे पर केंद्र से मांगा जवाब

NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: चुनावी खर्च के मुद्दे पर केंद्र से मांगा जवाब।

क्राइम कंट्रोल में AI और डेटा एनालिसिस निर्णायक: अमितभा



NBT रिपोर्ट, लखनऊ: क्राइम कंट्रोल में AI और डेटा एनालिसिस निर्णायक: अमितभा ने कहा।

आप की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयत्रा' 4 अप्रैल से

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: आप की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयत्रा' 4 अप्रैल से शुरू होगी।

छात्राओं के लिए स्कूलों में अलग हों शौचालय: ACS

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: छात्राओं के लिए स्कूलों में अलग हों शौचालय: ACS ने कहा।

जरूरी नहीं कलम जिसकी हो लफ्ज भी उसी के हों: अखिलेश

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: जरूरी नहीं कलम जिसकी हो लफ्ज भी उसी के हों: अखिलेश ने कहा।



NBT AI टाइम मशीन
न्यूट्रॉन की खोज से पड़ी परमाणु की नींव
 आज ही के दिन 1932 में जेम्स चैडविक (James Chadwick) की न्यूट्रॉन से जुड़ी खोज 'नेचर' मैगज़ीन में छपी। इस खोज के बाद ही दुनिया को समझ आया कि परमाणु (Atom) के भीतर अणु रहते हैं। इसे ही अणु प्रकृत परमाणु बनाने और परमाणु विजली बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया। जेम्स चैडविक को इस खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला।

NBT

आगे होंगे छोटे, स्मार्ट परमाणु रिप्लेक्टर
 ChatGPT के अनुसार, भविष्य में परमाणु ऊर्जा बेहद सुरक्षित, सस्ती और लगभग असीमित स्रोत बन चुकी होगी। छोटे-छोटे स्मॉल रिप्लेक्टर राइबॉन, नाभ और राइबॉन कि अर्बों तक स्तरों को भी ऊर्जा देते हैं। रिप्लेक्टर कक्षा लगभग खाली या खाली इलेक्ट्रॉन होते हैं। AI सिस्टम न्यूक्लियर फ्यूजन को ठीक से नियंत्रित और कंट्रोल करते हैं। ऊर्जा को कभी भी बाहर नहीं निकालते। इसकी जड़ता को ज्यादा आसानी, तेज और टिकाऊ बन चुकी होगी।

फटाफट खबरें

राष्ट्रपति हेलिकॉप्टर प्रचंड में भेरीगी उड़ान
 भाषा, जैसलमेर : राष्ट्रपति प्रियंका मुकुंद रावरावन के साथ राष्ट्रपति सुब्रमण्यम जयशंकर के हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरेंगे।
नौसेना में शामिल होगा INS अंजली
 NBT रिपोर्ट : भारतीय नौसेना में आईएनएस अंजली (INS Anjali) शामिल होने का रण है। स्टील अलॉय और इंडियन रिफाइनरी (SAIL) में इस एटी-समर्थन जहाज का निर्माण शुरू है।
संगर के भाई की जांच मेंडिकल बोर्ड से हो
 NBT रिपोर्ट : नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने उज्जैन वध केस के दोषी राजेश संगर के भाई जयदीप सिंह संगर की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए एम मेंडिकल बोर्ड बनाने का निर्देश दिया है। जयदीप ने मेडिकल बोर्ड पर अतिरिक्त चर्चा से राजेश संगर को नुकसान होने का डर है।
'ला ला लैंड' में जी रहा भारत
 NBT रिपोर्ट : भारत ने तुर्कव की सलुक राष्ट्र नामाधिकार परियोजना में परिवर्तन कर लेना शुरू कर दिया है। भारत को उम्मीद है कि इस परियोजना को अगले कुछ दिनों में शुरू किया जाएगा।
सुनेत्रा पवार चुनी गई NCP प्रेजिडेंट
 NBT रिपोर्ट : मुंबई : महाराष्ट्र की राज्यपाल सुनेत्रा पवार को NCP के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। सुनेत्रा के पति और उपाध्यक्ष सुनेत्रा पवार को NCP अध्यक्ष के रूप में चुना गया।
अब फोटो छपवाने का मौका भी
खबरों का ज्ञान
 आज से भारत और पर आ रहे कल के PM का क्या नाम है?
 A. नरेंद्र मोदी B. नरेंद्र मोदी C. नरेंद्र मोदी
 ट्रेड पर चर्चा के लिए फेडरेशन मंत्री पीयूष गोपाल अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मिलें, उनका नाम क्या है?
 A. जॉर्ज डुबोय B. एचएन क्लिन्टन C. जॉर्ज डुबोय
 भारतीय नौसेना में शामिल होने जा रहे नए जहाज का क्या नाम है?
 A. आईएनएस अंजली B. आईएनएस अंजली C. आईएनएस अंजली
 NCP का राष्ट्रीय अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?
 A. सुनेत्रा पवार B. सुनेत्रा पवार C. सुनेत्रा पवार
 पंचवर्षीय योजना में बाहुल्यपूर्ण प्रतिफल किस अर्थशास्त्र के लिए करेगा?
 A. नरेंद्र मोदी B. जयशंकर C. जयशंकर
कल के जवाब
 A) B. इरफान B) B. फाजल खान C) C. नरेंद्र मोदी A) B. फाजल खान A) A. फाजल
लकी विनर्स
 1. फाजल खान
 2. नरेंद्र मोदी
 3. सुनेत्रा पवार, नई दिल्ली

पश्चिमी देशों में युवाओं के बीच चीनी लाइफस्टाइल का क्रेज

NBT रिपोर्ट
 पश्चिमी देशों में युवाओं के बीच चीनी लाइफस्टाइल का क्रेज बढ़ रहा है। लोग चाय पीने, नो होल्ड चीनी ड्रिंकिंग, चाय खाने से शुरू होकर चीनी लाइफस्टाइल (China xing) की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीनी लाइफस्टाइल के वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग चाय पीने, नो होल्ड चीनी ड्रिंकिंग, चाय खाने से शुरू होकर चीनी लाइफस्टाइल (China xing) की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीनी लाइफस्टाइल के वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग चाय पीने, नो होल्ड चीनी ड्रिंकिंग, चाय खाने से शुरू होकर चीनी लाइफस्टाइल (China xing) की ओर बढ़ रहे हैं।



अमेरिकी युवाओं की बचैनी?
 युवा अमेरिकी युवाओं की बचैनी में चीनी लाइफस्टाइल का क्रेज बढ़ रहा है। लोग चाय पीने, नो होल्ड चीनी ड्रिंकिंग, चाय खाने से शुरू होकर चीनी लाइफस्टाइल (China xing) की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीनी लाइफस्टाइल के वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग चाय पीने, नो होल्ड चीनी ड्रिंकिंग, चाय खाने से शुरू होकर चीनी लाइफस्टाइल (China xing) की ओर बढ़ रहे हैं।

संगर के भाई की जांच मेंडिकल बोर्ड से हो
 NBT रिपोर्ट : नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने उज्जैन वध केस के दोषी राजेश संगर के भाई जयदीप सिंह संगर की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए एम मेंडिकल बोर्ड बनाने का निर्देश दिया है। जयदीप ने मेडिकल बोर्ड पर अतिरिक्त चर्चा से राजेश संगर को नुकसान होने का डर है।
'ला ला लैंड' में जी रहा भारत
 NBT रिपोर्ट : भारत ने तुर्कव की सलुक राष्ट्र नामाधिकार परियोजना में परिवर्तन कर लेना शुरू कर दिया है। भारत को उम्मीद है कि इस परियोजना को अगले कुछ दिनों में शुरू किया जाएगा।

मोदी बोले- आतंकवाद नामंजूर, मानवता संघर्ष का शिकार न बने

UPI, फाइनेंशियल डायलॉग, खेती, एजुकेशन में AI... इस्राइल से 16 करार
 Alpya Singh@timesofindia.com

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री मोदी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री नेहाडियान के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि आतंकवाद नामंजूर है और मानवता संघर्ष का शिकार न बने। उन्होंने एजुकेशन, UPI, फाइनेंशियल डायलॉग, खेती, एजुकेशन में AI... इस्राइल से 16 करार के बारे में भी बातचीत की।



न्याता दिया
इस्राइली राष्ट्रपति से भी मिले मोदी
 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्राइल के राष्ट्रपति इसरक हर्ज़ोली से भी मिले। उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री नेहाडियान से भी बातचीत की।

सुनेत्रा पवार चुनी गई NCP प्रेजिडेंट
 NBT रिपोर्ट : मुंबई : महाराष्ट्र की राज्यपाल सुनेत्रा पवार को NCP के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। सुनेत्रा के पति और उपाध्यक्ष सुनेत्रा पवार को NCP अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

तकनीक, AI, खेती... दोस्ती गहराई
 भारत और इस्राइल ने तकनीक, AI से लेकर खेती और खेती तक के 16 करार किए हैं।

बातचीत में तकनीक पर रहा फोकस
 दोनों देशों की बातचीत में तकनीक पर फोकस रहा। उन्होंने एजुकेशन, UPI, फाइनेंशियल डायलॉग, खेती, एजुकेशन में AI... इस्राइल से 16 करार के बारे में भी बातचीत की।

FIA पर वार्ता का दूसरा दौर मई में
 NBT रिपोर्ट : नई दिल्ली : भारत और फ्रीडम ऑफ़ इन्फॉर्मेशन एक्ट (फ़ोआ) के बीच वार्ता का दूसरा दौर मई में शुरू होगा।

खबरों का ज्ञान
 आज से भारत और पर आ रहे कल के PM का क्या नाम है?
 A. नरेंद्र मोदी B. नरेंद्र मोदी C. नरेंद्र मोदी
 ट्रेड पर चर्चा के लिए फेडरेशन मंत्री पीयूष गोपाल अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मिलें, उनका नाम क्या है?
 A. जॉर्ज डुबोय B. एचएन क्लिन्टन C. जॉर्ज डुबोय
 भारतीय नौसेना में शामिल होने जा रहे नए जहाज का क्या नाम है?
 A. आईएनएस अंजली B. आईएनएस अंजली C. आईएनएस अंजली
 NCP का राष्ट्रीय अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?
 A. सुनेत्रा पवार B. सुनेत्रा पवार C. सुनेत्रा पवार
 पंचवर्षीय योजना में बाहुल्यपूर्ण प्रतिफल किस अर्थशास्त्र के लिए करेगा?
 A. नरेंद्र मोदी B. जयशंकर C. जयशंकर

H1B वीजा धारकों के लिए छुट्टियां क्यों पड़ सकती हैं भारी?

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली
 H1B वीजा धारकों के लिए छुट्टियां पड़ सकती हैं भारी। यह वीजा धारकों के लिए एक बड़ा संकट है।

जस्टिस बर्मा कैस
 लोकसभा अध्यक्ष ने किया तीन सदस्यीय पैनल का पुनर्गठन।

जिनीवा में बातचीत, परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का अमेरिका को ऐतिहासिक प्रस्ताव
 ईरान का अमेरिका को ऐतिहासिक प्रस्ताव।

रोज की खबरों पर कितनी पनी नजर है, आज माएं
 आज से भारत और पर आ रहे कल के PM का क्या नाम है?
 A. नरेंद्र मोदी B. नरेंद्र मोदी C. नरेंद्र मोदी
 ट्रेड पर चर्चा के लिए फेडरेशन मंत्री पीयूष गोपाल अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मिलें, उनका नाम क्या है?
 A. जॉर्ज डुबोय B. एचएन क्लिन्टन C. जॉर्ज डुबोय
 भारतीय नौसेना में शामिल होने जा रहे नए जहाज का क्या नाम है?
 A. आईएनएस अंजली B. आईएनएस अंजली C. आईएनएस अंजली
 NCP का राष्ट्रीय अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?
 A. सुनेत्रा पवार B. सुनेत्रा पवार C. सुनेत्रा पवार
 पंचवर्षीय योजना में बाहुल्यपूर्ण प्रतिफल किस अर्थशास्त्र के लिए करेगा?
 A. नरेंद्र मोदी B. जयशंकर C. जयशंकर

एयरफोर्स ने दिखाया S-400 का ऐक्शन मोड

एयरफोर्स ने दिखाया S-400 का ऐक्शन मोड
 एयरफोर्स ने दिखाया S-400 का ऐक्शन मोड।

एसें भेजे अपने जवाब
 अपने नाम, शाहर के साथ जवाब भेजे।

AI ट्रेनिंग में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड
 भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड।

'हर घुसपैठियों को निकालें बाहर'
 हर घुसपैठियों को निकालें बाहर।

पोकरण रेंज में दिखेगा एयरफोर्स का दमखम
 एयरफोर्स का दमखम।

SAMSUNG

Galaxy S26 Series
Galaxy AI ✨



Pre-order now at ₹ 69999* (1 unit)

Retail price of Galaxy S26 Ultra (512GB)	₹ 159999*
Exchange value of old device	₹ 70000**
Memory upgrade benefit	₹ 20000***
Effective price (1 unit)	₹ 69999*



Free memory upgrade**
256GB to 512GB



Get up to ₹ 3500 off on**
Galaxy Buds4 Series with any
model of Galaxy S26 Series.



Offer valid till Mar 10, 2026

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 180057267864 for information on e-waste/plastic waste. Image simulated. Products sold separately. S Pen embedded only in Galaxy S26 Ultra. Samsung account login may be required for certain AI features. Actual UX/UI may differ. Samsung promotes responsible use of Artificial Intelligence (AI) features. *T&C apply. Offer price shown for 1 unit of Galaxy S26 Ultra 12GB | 512GB inclusive of exchange value of old device and memory upgrade benefit as detailed further below. Final pricing subject to dealer discretion. **Retail price of 1 unit of Galaxy S26 Ultra 12GB | 512GB. Price inclusive of taxes. ***Approximate value on exchange of 1 unit of Galaxy S24 Ultra 12GB | 512GB. Exchange value varies basis model & condition of old device. Exchange at the sole discretion of dealer. ****Value of memory upgrade benefit from 256GB to 512GB. Pre-order customers of S26 Ultra 256GB are eligible for benefits of memory upgrade from 256GB to 512GB worth ₹ 20000. **Discount of up to ₹ 3500 is applicable on purchase of Galaxy Buds4 Series together with any model of Galaxy S26 Series. Aforesaid calculations are for illustrative purposes. Final price at the sole discretion of retailer. Offer may be revised or withdrawn without any prior notice. All third party logos/brands are trademarks/registered trademarks of the respective brand/company.

samsung.com



आपने भेज दी है...आपने प्रियजनों को ?



zomato

और छप्पन भोग के अपने एप पर उपलब्ध



होली गिफ्ट हैमपर्स

बेहतर स्वाद...बेहतरीन सोच !

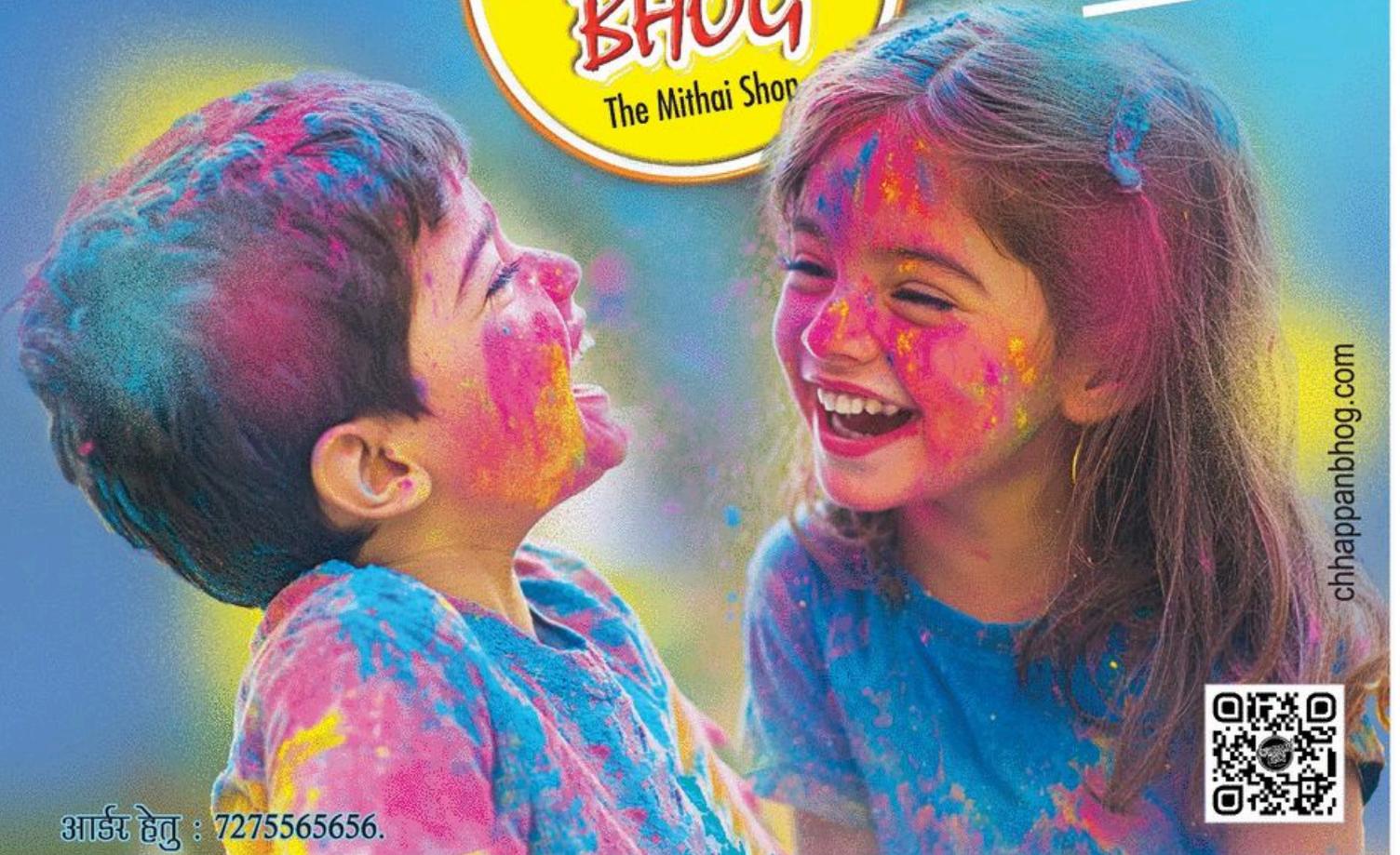
मीठे-मीठे पल !

अहा!

CHHAPPAN BHOG

The Mithai Shop

कोरियर डिलीवरी*
देश विदेश में



chhappanbhog.com



आर्डर हेतु : 7275565656.

सदर बाज़ार | फीनिक्स प्लासियो | लखनऊ एयरपोर्ट
ग्राउन्ड फ्लोर, वेस्ट गेट

*शर्तें लागू

अमूल
खोआ

अमूल खोआ की गुणवत्ता,
शुद्धता और विश्वास, मिठाई बनाए खास।



अमूल खोआ होम पैक

घर पर बर्फी, पेड़ा, गुलाबजामुन, गुजिया, गाजर का हलवा बनाने और विभिन्न व्यंजनों की गार्निशिंग करने के लिए उत्तम। 22% फैट के साथ।



22%
मिल्क फैट

खोआ के 200 ग्राम पैक
पर रुपये 5 की छूट।

₹95 ₹ 90 / 200g



खोआ के 500 ग्राम पैक
पर रुपये 10 की छूट।

₹225 ₹ 215 / 500g

अमूल खोआ होम पैक यहाँ उपलब्ध।

SHOP NOW



प्रिय मिष्ठान व्यापारीगण,
अपनी मिठाई की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए
अमूल खोआ का उपयोग करें।



26%
मिल्क फैट

अमूल धाप खोआ

नरम और हल्का नम, 26% मिल्क फैट के साथ।
गुलाबजामुन, कालाजामुन और रसदार मिठाइयों के लिए उपयुक्त।

₹450 ₹ 325 / kg

₹3900* / 12kg BUCKET



19%
मिल्क फैट

अमूल मीठा खोआ

मीठा खोआ बनाने के दौरान इसमें चीनी मिलाई जाती है।
19% मिल्क फैट के साथ इसकी बनावट दानेदार होती है।
पेड़ा और बर्फी जैसी मिठाइयों के लिए सही विकल्प।

₹480 ₹ 310 / kg



22%
मिल्क फैट

अमूल पिंडी खोआ

कम नमी और सूक्ष्म दानेवाला, 22% मिल्क फैट।
पेड़ा, बर्फी और मिल्क केक जैसी मिठाइयों के लिए उपयुक्त।

₹450 ₹ 325 / kg

₹3900* / 12kg BUCKET



यह कूपन धारक को अमूल खोआ की उपरोक्त श्रेणी पर
रुपये 10 प्रति किलो की विशेष छूट उपलब्ध
लाभ प्राप्त करने के लिए अपने क्षेत्र के अमूल दूध या अमूल आइस क्रीम
के वितरक को संपर्क करें अथवा नीचे दिए गये नंबर पर संपर्क करें।



DISCOUNT COUPON

₹10*

per kg
Valid till 5th March 2026

ऑर्डर तथा व्यवसायिक पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: उत्तरी दिल्ली: 9888390205, पश्चिमी दिल्ली: 9350835866,
पूर्वी दिल्ली: 9312822095, दक्षिणी दिल्ली: 7827255377, गुरुग्राम: 9313125999, फरीदाबाद: 9013291431, रोहतक, सोनीपत, पानीपत
और अंबाला: 9718222906, गाज़ियाबाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश: 9555513384 या हमें amulsweets@amul.coop पर लिखें।

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in